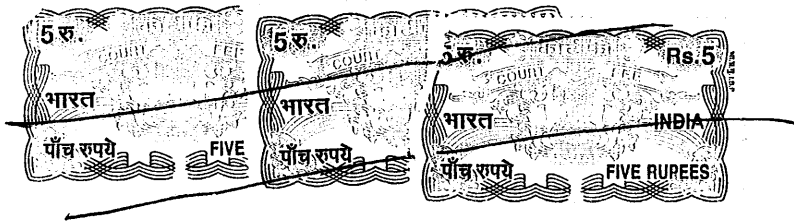


163



1

108

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मंडल ग्वालियर मध्यप्रदेश
=====

निगरानी क्र. 2851-I

श्यामबाई पत्नी अर्जुन अहिरवार निवासी
बुढ़ेरा तहसील बड़ागाँव जिला टीकमगढ़ म. प्र.

... निगराकार

बनाम

शासन मध्यप्रदेश

... प्रतिनिगराकार

निगरानी अंतर्गत धारा-50 म. प्र. मू. रा. सं. 1959

प्रस्तुत निगरानी आदेश दिनांक 20.07.2016 प्रकरण क्रमांक-41-

अपील/2015-16 अधीनस्थ न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी

टीकमगढ़ म. प्र.

महोदय,

प्रस्तुत निगरानी में निगराकार की ओर से विनय इस प्रकार है:-

॥ 1 ॥ यह कि भूमि स्थित ग्राम बुढ़ेरा खसरा क्रमांक-

एकड़ एकवट निगराकार कीपैत्रिक भूमि है जिसे अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार बड़ागाँव द्वारा राजस्व प्रकरण क्र. 36बी/121/2009-10 में पारित आदेश दिनांक 21.05.2010 के द्वारा उक्त भूमि को शासकीय घोषित कर दिया गया जिसे एक सामुहिक प्रकरण अन्य लोगों के साथ बनाया जाकर निर्णीत किया गया ।

॥ 2 ॥ यह कि निगराकार की स्थिति उक्त समूह में सामुहिक प्रकरण से भिन्न है जिसमें भूमि निगराकार को उत्तराधिकार में प्राप्त हुयी । उक्त भूमि का व्यवस्थापन में दुर्जन अहिरवार के नाम से किया गया उसकी मृत्यु उपरांत निगराकार को प्राप्त हुयी । जिसे शासकीय घोषित करना विधि सम्मत एवं न्यायोचित नहीं है ।

॥ 3 ॥ यह कि सामुहिक अपील पेश की गयी जिसे निगराकार द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध कोई अपील पेश नहीं की गयी इस तरह निगराकार को

R/S

RAM
-1 AUG 2016

27-8-16

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश - ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-----

निगरानी प्रकरण क्रमांक 2851-एक/2016

जिला टीकमगढ़


स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश
6-01-2017	<p>यह निगरानी आवेदक के अभिभाषक ने तहसीलदार बड़ागाँव धसान के प्रकरण क्रमांक 36 बी-121/ 2009-10 में पारित आदेश दिनांक 21-5-2010 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।</p> <p>2/ निगरानी मेमो में अंकित आधारों पर आवेदक के अभिभाषक एवं शासन के पैनल लायर के तर्क सुने तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन पर वस्तुस्थिति यह है कि ग्राम बुडेरा तहसील बड़ागाँव की भूमि सर्वे नंबर 1646/1 , 1646/1/2 रकबा 1.00 हैक्टर महिला श्यामवाई पत्नि अर्जुन अहिरवार को विरासत में प्राप्त हुई है। यह भूमि आवेदिका के पति के स्वत्व एवं स्वामित्व पर दर्ज रही है। ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम की नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 10 पर आदेश दिनांक 10-2-2004 से आवेदिका का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज हुआ है। तहसीलदार बड़ागाँव द्वारा प्रकरण क्रमांक 36 बी-121/2009-10 में पारित आदेश दिनांक 21-5-2010 के अनुसार ग्राम बुडेरा में हुये पट्टों की सूची को आधार बनाकर सूची के सरल क्रमांक 18 पर आवेदिका</p>



निगरानी प्र0क0 2851-एक/2016

का नाम लिख दिया गया एवं उसे विरासत में प्राप्त भूमि को पट्टे की भूमि मानते हुये कार्यवाही की गई है। जब आवेदिका को वादग्रस्त भूमि उत्तराधिकारिता में प्राप्त है। ऐसी वाद विचारित भूमि मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 164 से न्यायगमित रहेगी। जैसाकि वादग्रस्त भूमि स्वर्गीय पति के स्थान पर आवेदिका के नाम हुई है एवं तदनुसार राजस्व अभिलेख में प्रविष्टि है। ऐसी स्थिति में वादग्रस्त भूमि पर से आवेदिका का नाम विलोपित करना न्यायसंगत नहीं है जब तक अन्यथा प्रमाणित न हो जाय।

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर तहसीलदार बड़ागाँव द्वारा प्रकरण क्रमांक 36/बी-121/2009-10 में पारित आदेश दिनांक 21-5-2010 (सूची का सरल क्रमांक 18) आवेदिका के हित तक दूषित पाये जाने से अंशतः निरस्त जाता है तथा आदेश दिये जाते हैं कि आवेदिका के नाम की प्रविष्टि भूमि सर्वे क्रमांक 1646/1/2 पर पूर्वानुसार दर्ज करते हुये कम्प्यूटराईज्ड खसरे में भी दर्ज कराई जावे।


सदस्य

